an>

Title: Laid on explanatory statement showing reasons for immediate legislation by Promulgation of the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement (Amendment) Ordinance, 2014 (No. 9 of 2014).

THE MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT, MINISTER OF PANCHAYATI RAJ AND MINISTER OF DRINKING WATER AND SANITATION (SHRI CHAUDHARY BIRENDER SINGH): I beg to lay on the Table an explanatory Statement (Hindi and English versions) showing reasons for immediate legislation by promulgation of the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement (Amendment) Ordinance, 2014 (No. 9 of 2014).

HON. SPEAKER: Now we take up 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप चर्चा में अपनी बात बोलिए। इस पर चर्चा करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please go to your seats.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप ऐसा मत करिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Jyotiraditya ji.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता है। जिन-जिन लोगों ने ऑब्जेक्शन लिखकर दिए थे, मैंने उनको मौका भी दिया था। मैं उनको पूरा टाइम दे रही हूँ। आप उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। प्रेमचन्द्रन जी बोल रहे हैं, आप उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। राजू श्रेट्टी जी बोल रहे हैं, आप उनकी बात भी नहीं सुन रहे हो। ऐसा नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने उनको मौका दिया था।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Now it is 'Zero Hour'. Please go to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Jyotiraditya ji.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please go to your seat. Now Shri Jyotiraditya ji to speak.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, उनको अपनी सीट पर जाने को कहिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग थोड़ा पीछे तो जाइए। दोनों चीजें एक साथ नहीं हो सकती हैं।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): I am requesting them. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Khargeji, let them go to their seats at least.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज पीछे जाइए। ऐसा नहीं होता है। खड़गे जी, बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : आप लोगों ने बहुत साल राज किया है।...(व्यवधान) लोकतंत्र का अपमान हो रहा है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैडम स्पीकर, यह बहुत महत्वपूर्ण बिल है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह कौन सा तरीका है, आप थोड़ा पीछे हो जाइए। आप वेल में क्यों खड़े हैं? आपके वेल में रहते हुए वे कैसे बोल पाएंगे? मैं उनको अलाऊ कर रही हूँ।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : थोड़ा पीछे तो जाइए। इतने में क्या आपको अपमान महसूस होता है?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या वेल में खड़े रहने में आपको आनन्द आता है? आप पीछे हो जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता है। I am sorry.

â€¦(व्यवधान)